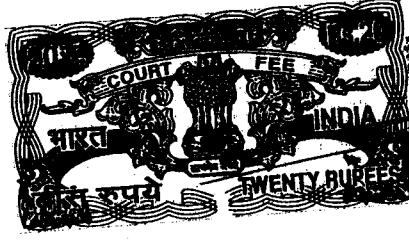


न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर कोर्ट कैम्प रीवा



Rs

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित मुख्यालय जहाँगीराबाद भोपाल

M-5163-II(17) द्वारा जिला विपणन अधिकारी विपणन कार्यालय सीधी जिला - सीधी (म0प्र0) आवेदक

बनाम

.....अनावेदक

सुमकरण साहू वगै०

प्रतिवादी विवेक शर्मा
द्वारा 17-4-17

आवेदनपत्र अन्तर्गत धारा 35(3) मू.रा.सं.

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर कोर्ट
न्यायिक मण्डल ग्वालियर
न्यायिक मण्डल ग्वालियर

आवेदनपत्र के आधार निम्नलिखित है :-

1. यहकि उक्त उन्मान प्रकरण की निगरानी माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन थी, जो श्रीमानजी के द्वारा दिनांक 09.03.2016 को निगरानीकर्ता के अधिवक्ता के उपस्थित न होने के कारण अदम पैरवी में निरस्त कर दिया गया है।
2. यहकि उक्त प्रकरण में सीधी के अधिवक्ता आकर प्रकरण को दायर किया गया था व पैरवी हेतु रीवा के अधिवक्ता को नियुक्त किया गया था, जिनके द्वारा ही प्रकरण में पेशियां ली जाती रही है, परंतु दिनांक 03.2016 को अधिवक्ता महोदय उपस्थित नहीं हुए जिस कारण से प्रकरण अदम पैरवी में खारिज हो गया।
3. यहकि सीधी के अधिवक्ता जब भी प्रकरण में पैरवी कर रहे अधिवक्ता महोदय से प्रकरण के संबंध में पूछते रहे है तब उनके द्वारा यह बताया जाता रहा है कि प्रकरण में अभी तक सुनवाई नहीं हुई है। दिनांक 13.04.2016 को सीधी के अधिवक्ता जब रीवा आये तब उनके द्वारा प्रकरण की पडताल की गई, जिसमें से वर्ष 2016 की केश डायरी देखने पर पता चला कि प्रकरण अदम पैरवी में

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावक आदि के हस्ताक्षर
<p>17/5/17</p>	<p>आवेदक आचार्यजी विवेक- शर्म उपाध्याय लोक. 3 मं-24- रेश्म. आचार्य प्रभु कर्मचारी किया गया है नि. अ. 1605-III/13 आचार्यजी में निराला होना है- 3 मं प्रम. नमूना नाम के नाम का- अनुयायी किया गया है अतः आवेदक आचार्यजी का निराला (की) नाम किया जाता है तथा अ. 1605-III/13 आ. डि० 9/2/16 प्रम. नमूना नाम के आदेश दिने जाते हैं रेश्म. आचार्य प्रभु (की) नाम किया जाता है। प्रकारा 41-4 है।</p>	<p>17/5/2017</p>

M